>

Title: Alleged incidents of custodial deaths and human rights violation in the country.

सभापति महोदय : अब हम ज़ीरो आवर सबमिशन्स लेते हैं। श्री शैलेन्द्र कुमार, आप अपनी बात दो मिनट में पूरी कीजिए, बहुत ज्यादा वक्ता हैं।

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): माननीय सभापति जी, आपने मुझे अति अविलम्बनीय लोक महत्व के प्रश्न पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। आज पूरे हिन्दुस्तान के अंदर देखा जाए तो राष्ट्रीय मानवाधिकार का घोर उल्लंघन हो रहा है और प्रति वर्ष का अगर आँकड़ा लिया जाए तो मेरे ख्याल से सैकड़ों लोग मर रहे हैं। अभी 17 फरवरी को मेरे निर्वाचन क्षेत्र में जेल अभिरक्षा से लेकर कोर्ट में जा रहे मुलज़िम को वहाँ के सर्किल ऑफिसर सुशील कुमार ने ले जाकर लाठी से इतना मारा कि उसके मुँह से खून निकला। एक पत्रकार ने जब रोका तो उस पत्रकार को भी बुरी तरीके से मारा गया। उसी के एक हफ्ते पहले इलाहाबाद में घूरपुर थाना है, वहां पर दो लड़के पुलिस की कस्टडी में थे। इतने बुरी तरीके से मारा, जिनका नाम संजय और अशोक निषाद था, कि दोनों लड़कों की मृत्यु हो गई। इससे वहां इतना बवाल हुआ कि वहां समाजवादी पार्टी सहित सर्वदलीय बैठकों में अन्य दलों के लोगों ने धरना प्रदर्शन किया।

महोदय, चाहे अधिवक्ता हों, पत्रकार हों, सब ने इसका जबरदस्त विरोध किया सद्दाम नाम का, मोनू, जिसके मुंह से खून निकला, दूसरा वेद उर्फ विनोद पांडे जो कि 24 वर्ष का पत्रकार था, जब उसने बोला तो उसकी इतने बर्बर तरीके से पिटाई हुई कि वह भी बेहोश हो गया। जब स्थानीय जनपद न्यायाधीश, डीएम, कलैक्टर और वहां के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को पता लगा तो वे मौके पर गए। वहां इतना ज्यादा मानवाधिकार का उल्लंघन हो रहा है। इसलिए मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से चाहूंगा कि वह कम से कम राज्यों को निर्देश दे कि इस प्रकार से मानवाधिकार जो उल्लंघन हो रहा है, उस पर रोक लगाई जाए और दोषी व्यक्तियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए। यह मंझनपुर के अंतर्गत जनपद कौशाम्बी, उत्तर प्रदेश में घटना घटी। दूसरी इलाहाबाद के घूरपुर थाने में घटना घटी है, इसको केन्द्र सरकार गंभीरता से लेकर कार्यवाही सुनिश्चित करे।

श्री तूफ़ानी सरोज (मछलीशहर): महोदय, उत्तर प्रदेश में जंगल राज हो गया है। मानवता नाम की कोई चीज नहीं है...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : उत्तर प्रदेश में जंगल राज है। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप लोग बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : चोरी, डकैती, मर्डर, रेप और हत्याएं बहुत हो रही हैं।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Shri Shailendra Kumar, basically it is a State subject, but since the issue of human rights' violations was involved, you were given time to speak.